SPECIAL MENTIONS

Demand to maintain *status quo* on giving grades in class X board exams

डा. राम प्रकाश (हरियाणा) : महोदय, इस सदन ने छः से चौदह वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा का विधेयक पारित किया है। ध्यानपूर्वक पढ़ने वाला विद्यार्थी इस अवधि में आठवीं पास कर सकेगा। फिर वह चाहे आगे पढ़े, चाहे कोई रोजगार करे। अतः आठवीं की परीक्षा जरूरी है। यह उसके परिश्रम का फल और योग्यता का सूचक होगा। स्कूल आठवीं तक प्रतिवर्ष परीक्षा ले। जो बच्चा परीक्षा में उत्तीर्ण न हो, उसे उसी कक्षा में रोकना उसके हित में है; अन्यथा अगली कक्षा का पाठ्यक्रम उसकी समझ में न आने से उसका समय बर्बाद होगा। वह आठ वर्ष लगाकर भी अनपढ़ ही रहेगा। परीक्षा न होने से न तो अध्यापक रुचि लेकर पढ़ाएंगे, न ही बच्चे परिश्रम करेंगे। इसका अधिक कुप्रभाव ग्रामीणांचल, स्लम तथा migratory labour के बच्चों पर पड़ेगा।

महोदय, अधिकांश निर्धन परिवारों के बच्चे दसवीं के बाद नौकरी तलाशते हैं या पौलीटेक्निक आदि में प्रवेश लेते हैं, अतः दसवीं की परीक्षा बोर्ड द्वारा ली जानी चाहिए। अंकों के स्थान पर ग्रेड देना अव्यावहारिक होगा, क्योंकि नौकरी तथा दाखिले में जब कम स्थानों के लिए एक ही ग्रेड के अनेक बच्चे होंगे, तो निर्णय पारदर्शी न होकर arbitrary हो जाएगा। इस उम्र में उन में शारीरिक व मानसिक परिवर्तन होता है और निजी तथा सामाजिक जीवन में बदलाव आता है। उनके परिपक्व होने की उम्र में जिम्मेदारियों का एहसास करवाना जरूरी है। परीक्षा इस एहसास की पहली सीढ़ी है। शिक्षा की दृष्टि से ही नहीं; जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए भी दसवीं की परीक्षा महत्वपूर्ण है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि दसवीं की बोर्ड परीक्षा पर वह यथास्थिति बनाए रखे।

Demand for subsidized solar powered fencing in forest areas of Tamil Nadu to protect the crops of farmers from wild animals

SHRI N.R GOVINDARAJAR (Tamil Nadu): Sir, I would like to bring to the notice of the Government the need of erecting solar powered fences in adjoining forest areas of Tamil Nadu. Agricultural fields in the areas of Gobichettipalayam, Sathyamangalam, Anthiyur and Ammapettai and in small neighbouring forest areas, which are ready for harvesting, are often devastated by elephants and other wild animals because of the absence of solar powered fences. Farmers are already facing a lot of hurdles in the process of cultivation, like failure of monsoon, unavailability of inputs and are not able to get proper price for their production. Further, at the time of harvest, these farmers are in constant fear of elephant's and other wild animal's raid on their fields. I had raised this issue on 23.03.2005 in this august House. But I am very much frustrated because my request of setting up of solar power fences has not been heard till now by the Central Government. Even the Government of Tamil Nadu is not coming forward to initiate any action in this regard. Agriculture contributes a considerable percentage to our country's Gross Domestic Product. Therefore, I urge the Government, once again, to take necessary action for initiation of a scheme, a subsidised scheme, for solar power fencing through non-conventional energy resources. I hope that my reiterated request of setting up solar power fences would be considered favourably by the Central Government, at least, now in view of hardships faced by the farmers because of elephants and other wild animals. Thank you.